# भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

## हिंदी कार्यशाला – प्रतिवेदन

### विषय: - राजभाषा कार्यान्वयन : समस्याएँ एवं समाधान

**26 जून 2026**

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में 26 जून 2025 को मुख्यालय एवं क्षेत्रीय केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए "राजभाषा कार्यान्वयन : समस्याएँ एवं समाधान" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हाइब्रिड माध्यम में आयोजित की गई। इसमें राजभाषा विभाग, भारत सरकार के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. विश्वनाथ झा अतिथि वक्ता थे। संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर संस्थान के संयुक्त निदेशक एवं वरिष्ठ कुलसचिव श्री संजय बोकोलिया, विभिन्न विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण, वैज्ञानिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी वर्ग के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

श्री संजय बोकोलिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है जो पूरे देश को जोड़ती है। यह बात तो सही है कि राजभाषा हिंदी में कार्य करना संवैधानिक दायित्व तो है ही, लेकिन हमें दिल से हिंदी को अपनाना चाहिए न कि संवैधानिक बाध्यता के कारण। राजभाषा हिंदी को प्रभावी रूप से कार्यान्वित करने हेतु हमें पूरे समर्पण भाव से काम करना होगा।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में संस्थान के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने कहा कि अगर हम अपनी भाषा का सम्मान नहीं करेंगे तो हम अपनी संस्कृति से, अपनी जड़ों से बिछड़ जाएँगे। उन्होंने आगे कहा कि भाषा जोड़ने वाली होती है न कि तोड़ने वाली। जहाँ तक हिंदी का सवाल है, हिंदी का किसी भी भाषा के साथ विरोध नहीं है। हिंदी भारत की सभी भाषाओं को साथ लेकर चलती है और तो और विदेशी भाषाओं को भी। इसका प्रमाण है हिंदी में भरे पड़े अन्य भाषाओं के शब्द। भारत में हिंदी बोलने वाले 69% है और अग्रेज़ी बोलने वाले 10% से भी कम। हमें अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। हिंदी बोलने या हिंदी में काम करते समय हमें हीन भावना से मुक्त होना चाहिए।

कार्यशाला के अतिथि वक्ता डॉ. विश्वनाथ झा ने सरल भाषा में बहुत ही रोचक ढंग से राजभाषा हिंदी से संबंधित विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा संबंधी लक्ष्यों और हिंदी में कार्य करने के लिए उपलब्ध विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी साधनों पर विस्तार से व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आजकल हिंदी में कार्य करना बहुत ही आसान है। इसके लिए विभिन्न साधन उपलब्ध हैं। हिंदी में कार्य करते समय समस्याएँ तो आएँगी, लेकिन जितनी समस्याएँ हैं, उन सबका समाधान भी मौजूद है। पूरी लगन और तन्मयता से कार्य करेंगे तो समस्याओं को दूर किया जा सकता है। कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। हमें प्रयास करते रहना चाहिए। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों के शंकाओं का समाधान भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के गीत से हुआ। तत्पश्चात श्री जगदीशन ए.के., संयुक्त निदेशक (राजभाषा) ने सभी का स्वागत किया और अंत में श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने आभार प्रकट किया। श्रीमती रेखा नायर, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

**ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai**

**A Report on Hindi Workshop**

**Topic: - Official Language Implementation: Problems and Solutions**

**26 June 2026**

A one-day workshop on “Official Language Implementation: Problems and Solutions” was organized in hybrid mode for the staff members of ICAR-CIFE headquarters and regional centers also on 26 June 2025. Dr. Vishwanath Jha, former Joint Director, Department of Official Language, Government of India was the guest speaker. Director Dr. N.P. Sahu presided over the program. On this occasion, Joint Director and Senior Registrar, Shri Sanjay Bokolia, Head of Divisions, Senior Officers, Scientists, Administrative and Technical staff members were also present.

Shri Sanjay Bokolia said that Hindi is the only language that connects the whole country. It is true that working in official language Hindi is a constitutional obligation, but we should adopt Hindi with love and not due to constitutional compulsion. We have to work with full dedication for the effective implementation of Official Language Hindi.

In his presidential address, Director Dr. N.P. Sahu said that if we do not respect our language, we will be detached from our culture, our roots. He further said that language is meant to unite the people and not to divide. As far as Hindi is concerned, it is not opposed to any language. Hindi takes along with it all the languages of India and even foreign languages. The result of it shows the abundance of words from other languages in Hindi. Hindi speakers in India are approximately 69% and English speakers are less than 10%. He further said that we need to change our mindset. We should be free from inferiority complex while speaking Hindi or working in Hindi.

The guest speaker, Dr. Vishwanath Jha, in a very interesting manner and in simple language, gave a detailed lecture on various constitutional provisions related to Official Language Hindi, the targets in connection with Official Language Policy of Govt. of India and various information technology tools available for working in Hindi. He said that because of information technology tools nowadays it is very easy to work in Hindi. There will be problems while working in Hindi, but there is solution for each and every problem. If you work with full dedication and concentration, then problems can be overcome. No work is impossible. We should keep trying. During this, he also cleared the doubts of the participants.

At the outset, the program started with the ICAR song. Thereafter, Shri Jagdishan A.K., Joint Director (OL) welcomed everyone and Shri Pratap Kumar Das, Chief Technical Officer proposed vote of thanks. Mrs. Rekha Nair, Chief Technical Officer compeered the program.

ICAR-CIFE

ICAR-CIFE
Mumbai

ICAR-CIFE